भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
20.03.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3312 का उत्तर

उच्च-गति गलियारे और वंदे भारत

3312. डा. भागवत कराड़:
श्री बृज लाल:
श्री मिथलेश कुमार:
श्री बाबूभाई जेसंगभाई देसाई:
श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाण:
श्रीमती किरण चौधरी:
श्री शंभू शरण पटेल:
डा. दिनेश शर्मा:
श्री राजीब भट्टाचार्जी:
श्री दीपक प्रकाश:
श्री बाबू राम निषाद:
श्री नारायण कोरागप्पा:
श्री नरहरी अमीन:
श्री लहर सिंह सिरोया:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मंत्रालय ने 2026-27 के बजट में घोषित सात नए 'ग्रोथ कनेक्टर' उच्च-गति गलियारों के लिए निष्पादन योजना को अंतिम रूप दे दिया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) वर्ष 2026 के अंत तक कितने वंदे भारत स्लीपर रेक परिचालन में आने की अपेक्षा है तथा 1,000 किमी से अधिक दूरी वाले मार्गों पर उनके उपयोग की क्या रणनीति है;
(घ) 250 किमी प्रति घंटा की अभिकल्प गति वाले वंदे भारत 4.0 के शुभारंभ के लक्ष्य की दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई है;
(ङ) क्या वर्ष 2027 तक सभी प्रीमियम रेलों में क्षेत्रीय व्यंजन तथा एआई-आधारित यात्री सेवाएँ शुरू करने के लिए कोई कार्य-योजना तैयार की गई है;
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(छ) क्या झारखंड के रांची से प्रतिदिन एक राजधानी एक्सप्रेस चलाने की कोई योजना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (छ): वर्तमान में, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना (508 कि.मी.) निर्माणाधीन है। यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा एवं नगर हवेली केंद्र शासित प्रदेश से होकर गुजर रही

है, जिसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में योजना के अनुसार 12 स्टेशन बनाए जाएंगे।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) अधिगृहीत कर ली गई है। सभी सांविधिक क्लीयरेंस प्राप्त कर ली गई हैं। सभी 1651 उपयोगिताओं को स्थानांतरित कर दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य में भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण परियोजना 2021 तक प्रभावित हुई। वर्ष 2022 में महाराष्ट्र में भूमि अधिग्रहण में तेजी आई।

अब तक विभिन्न प्रमुख मदों की प्रगति निम्नानुसार है:

मद	**प्रगति**
पाया	430 कि.मी.
गर्डर	341 कि.मी.
ट्रैक बैड	174 कि.मी.
ओएचई मास्ट	153 कि.मी.

स्टेशनों पर कार्य की प्रगति निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	**स्टेशन**	**स्थिति**
1	साबरमती	नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है, प्लेटफॉर्म स्लैब और छत का संरचनात्मक कार्य और फिनिशिंग का कार्य चल रहा है।
2	अहमदाबाद	संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है और फिनिशिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।
3	आनंद/नडियाद	
4	वडोदरा	नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है, संरचनात्मक कार्य और फिनिशिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।
5	भरूच	संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है और फिनिशिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	सूरत	
7	बिलिमोरा	
8	वापी	
9	बोईसर	नींव का कार्य शुरू कर दिया गया है और यह अंतिम चरण में है। संरचनात्मक कार्य भी शुरू कर दिया गया है।
10	विरार	
11	ठाणे	
12	बीकेसी (मुंबई)	यह एक अंडरग्राउंड स्टेशन है। नींव का कार्य लगभग पूरा हो गया है और बेस स्लैब का कार्य शुरू कर दिया गया है।

नदी पुलों पर कार्य की प्रगति इस प्रकार है:-

क्र. सं.	**नदी का नाम**	**स्थिति**
1	साबरमती नदी (480 मीटर)	उपसंरचना का कार्य पूरा कर लिया गया है, अधिसंरचना का कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	मेशवा नदी (120 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
3	वात्रक नदी (280 मीटर)	
4	मोहर (शेढ़ी) नदी (160 मीटर)	

5	माही नदी (720 मीटर)	12 में से 11 कुओं का कार्य पूरा कर लिया गया है; 5 स्पैन लॉन्च कर दिए गए हैं।
6	विश्वामित्री नदी (80 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
7	ढाढर नदी (120 मीटर)	
8	नर्मदा नदी (1366 मीटर)	25 में से 21 कुओं का कार्य पूरा कर लिया गया है; 4 स्पैन लॉन्च कर दिए गए हैं।
9	किम नदी (120 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
10	तापी नदी (720 मीटर)	नींव का कार्य शुरू कर दिया गया है, 12 में से 10 कुओं का कार्य पूरा कर लिया गया है।
11	मिंधोला नदी (240 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
12	पूर्णा नदी (360 मीटर)	
13	अंबिका नदी (200 मीटर)	
14	वेंगानिया नदी (200 मीटर)	
15	कावेरी नदी (120 मीटर)	
16	खरेरा नदी (120 मीटर)	
17	औरंगा नदी (320 मीटर)	
18	पार नदी (320 मीटर)	
19	कोलक नदी (160 मीटर)	
20	दमन गंगा नदी (360 मीटर)	
21	दारोथा नदी (80 मीटर)	
22	जगनी नदी (360 मीटर)	नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है।
23	वैतरणा नदी (2320 मीटर)	12 पाइल कैप और 11 पियर (58 में से) पूरे कर लिए गए हैं।
24	उल्हास नदी शाखा (120 मीटर)	नींव का कार्य शुरू करने के लिए टेम्पररी एक्सेस ब्रिज का कार्य पूरा कर लिया गया है।
25	देसाई खाड़ी नदी पुल (400 मीटर)	भू-तकनीकी जांच पूरी कर ली गई है और डिज़ाइन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

समुद्री सुरंग (लगभग 21 कि.मी.) का कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसमें से महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 4.8 कि.मी. लंबी सुरंग का कार्य पूरा कर लिया गया है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय परिवहन अवसंरचना को सुदृढ़ करने और क्षेत्रीय संपर्कता, आर्थिक विकास, पर्यटन, निवेश और रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने और सड़क एवं हवाई यातायात को रेल की ओर शिफ्ट करने को बढ़ावा देने के लिए, सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में निम्नलिखित सात नए उच्च-गति रेल गलियारे विकसित करने की घोषणा की है:-

(i) मुंबई- पुणे
(ii) पुणे-हैदराबाद
(iii) हैदराबाद-बेंगलुरु
(iv) हैदराबाद-चेन्नै
(v) चेन्नै-बेंगलूरु
(vi) दिल्ली-वाराणसी
(vii) वाराणसी-सिलीगुड़ी

उच्च गति रेल गलियारे/परियोजना के अत्यधिक पूंजी गहन होने के कारण, इस प्रकार के किसी भी उच्च गति रेल गलियारे/परियोजना को स्वीकृत करने का निर्णय विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन के परिणाम और वित्तपोषण विकल्प जैसे संसाधनों की उपलब्धता आदि जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है।

वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस:

लंबी दूरी की यात्रा के लिए, वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर वेरिएंट को स्वदेश में डिजाइन और विकसित किया गया है। वर्तमान में, दो वंदे भारत स्लीपर सेवाएं भारतीय रेल नेटवर्क पर परिचालित हैं। प्रथम वंदे भारत स्लीपर गाड़ी सेवा अर्थात 27575/27576 हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस गाड़ी सेवा का दिनांक 22.01.2026 से नियमित परिचालन शुरू कर दिया गया है।

इन वंदे भारत स्लीपर रेलगाड़ियों में प्रदान की गई व्यापक उन्नत प्रौद्योगिकीयां और संरक्षा विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

- झटका-मुक्त सेमी पर्मानेंट कप्लर एवं एंटी-क्लाइम्बर्स।
- कवच से सुसज्जित।
- 180/160 किलोमीटर प्रति घंटे के डिजाइन/परिचालन गति के साथ उच्चतर त्वरण।
- ईएन मानकों का अनुपालन करने वाला कारबॉडी का दुर्घटना-रोधी डिज़ाइन।
- अग्नि संरक्षा मानदंडों के अनुपालन के लिए प्रत्येक सवारीडिब्बे के छोर पर अग्निरोधी दरवाजे।
- विद्युत कैबिनेटों और शौचालयों में एरोसोल आधारित अग्नि संसूचन और शमन प्रणाली।
- ऊर्जा दक्षता के लिए पुनर्योजी ब्रेकन प्रणाली।
- यात्री क्षेत्र के अंदर स्वच्छता मानदंडों को बेहतर बनाने के लिए अनुकूलित वायु से 99% हानिकारक जीवाणुओं को निष्क्रिय करने के लिए, स्वदेश में विकसित यूवी-सी लैंप आधारित विसंक्रमण प्रणाली के साथ वातानुकूलन इकाइयां लगाई गई है।
- केंद्रीय रूप से नियंत्रित स्वचालित प्लग दरवाजे और चौड़े सीलबंद गैंगवे।
- सभी सवारी डिब्बों में सीसीटीवी।
- आपातकाल की स्थिति में यात्री और रेलगाड़ी प्रबंधक/लोको पायलट के बीच संवाद के लिए आपातकालीन टॉक-बैक इकाई।
- दिव्यांगजन यात्रियों के लिए दोनों छोर पर ड्राइविंग कोच में विशेष शौचालय।
- यात्री सुविधाओं जैसे वातानुकूलन, सैलून प्रकाश-व्यवस्था आदि की स्थिति की बेहतर निगरानी के लिए केंद्रीकृत सवारी डिब्बा निगरानी प्रणाली।
- ऊपर की शायिकाओं पर चढ़ने में सुगमता के लिए शारीरिक स्थिति के अनुसार डिज़ाइन की गई सीढ़ी।

इस समय, रांची-दिल्ली रेलखंड 08 जोड़ी रेलगाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित है जिसमें 03 जोड़ी राजधानी सेवाएं हैं। ये नीचे सूचीबद्ध है:

क्र.सं.	**गाड़ी सं.**	**गाड़ी का नाम**	**फेरे**
1	20839/20840	रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस	द्वि-सप्ताहिक
2	12453/12454	रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस	साप्ताहिक
3	20407/20408	रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस	साप्ताहिक
4	12877/12878	रांची-नई दिल्ली गरीब रथ एक्सप्रेस	त्रि-साप्ताहिक

5	12873/12874	हतिया-आनंद विहार टर्मिनस एक्सप्रेस	त्रि-साप्ताहिक
6	12817/12818	हतिया-आनंद विहार टर्मिनस एक्सप्रेस	त्रि-साप्ताहिक
7	12825/12826	रांची-आनंद विहार टर्मिनस एक्सप्रेस	द्वि-सप्ताहिक
8	18309/18310	संबलपुर-जम्मू तवी एक्सप्रेस	सप्ताह में चार दिन

ऊपर सूचीबद्ध 03 जोड़ी राजधानी एक्सप्रेस सेवाएं उक्त क्षेत्र में सप्ताह के 4 दिन चलती हैं। शेष 3 दिन गाड़ी सं. 12877/12878 रांची-नई दिल्ली गरीब रथ एक्सप्रेस (त्रि-सप्ताहिक) दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन और नई दिल्ली के बीच एक ही रेलपथ पर परिचालित की जा रही है।

इसके अलावा राजधानी एक्सप्रेस, वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाओं सहित भारतीय रेल में नई रेलगाड़ी सेवाएं शुरू करना परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात पैटर्न और संसाधनों की उपलब्धता के अध्यधीन निरंतर चलने वाले प्रक्रिया है।

रेल मंत्रालय ने 2025 के वाणीज्यिक परिपत्र सं. 25 के तहत आईआरसीटीसी को क्षेत्रीय व्यंजन, मौसमी स्वादिष्ट व्यंजन और स्वास्थ्य खाद्य विकल्प, जिनमें बाजरा आधारित उत्पाद शामिल हैं, मेनू में रूचि के अनुसार विकल्प शामिल करने की छूट दी है।

उपरोक्त अदेश के तहत आईआरसीटीसी द्वारा प्रिमियम गाड़ियों का मेनू यात्री फीडबैक के आधार पर तैयार किया जाता है।

आईआरसीटीसी ने विभिन्न क्षेत्रों के यात्रियों को व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करने के लिए समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रीय भोजन की व्यवस्था शुरू की है। रेलगाड़ियों में शुरू किए गए कुछ क्षेत्रीय व्यंजन निम्नानुसार है

क्र.सं.	**राज्य**	**व्यंजन**
1	ओडिशा	दलमा, छेना पोडा
2	तमिलनाडु	सेट डोसइ, प्लक्कटी चेट्टिनाड
3	कर्नाटक	मेदु वड़ा
4	राजस्थान	प्याज कचौड़ी
5	महाराष्ट्र	वड़ा पाव
6	पश्चिम बंगाल	माछेर झोल
7	गुजरात	थेपला
8	झारखंड	सिंघाड़ा, फुलुरी, आलु चोखा, आलू परवल
9	मध्य प्रदेश	कांदा पोहा, इंदौरी पोहा, सेव टमाटर सब्जी, अजवाइन पराठा, रागी भाखरी, पात्रा भागर, खोया चिकन, रागी थेपला, भेय

क्षेत्रीय/स्थानीय व्यंजन शुरू करने से यात्रियों को यात्रा के दौरान प्रामाणिक स्थानीय स्वाद का अनुभव प्राप्त हुआ है और स्थानीय संस्कृति से जुड़ने का मौका मिला है।

*****